अध्याय 14

अपन चारूकातक आर्थिक गतिविधि

समृद्धिक जड़ आर्थिक गतिविधि अछि, एकर अभाव भौतिक संकट अनैत अछि। फलदायी आर्थिक गतिविधिक अभाव वर्तमान समृद्धि आ भविष्यक विकास दुनूकेँ खतरामे डालैत अछि।

— कौटिल्य (अर्थशास्त्र)

महत्त्वपूर्ण प्रश्न

1. आर्थिक गतिविधि केना वर्गीकृत अछि?
2. विभिन्न आर्थिक गतिविधिसभकेँ क्षेत्रमे समूहीकृत करय के की आधार अछि?
3. इ तीनू क्षेत्रक (सेक्टर) परस्पर केना जुड़ल अछि?

0681CH14

परिचय

अध्याय 13 मे हम दू प्रकारक गतिविधिक विषयमे सीखलहुँ – आर्थिक आ गैर-आर्थिक। जे गतिविधि मे मौद्रिक मूल्यक अर्जन होयत अछि, ओकरा आर्थिक गतिविधि कहल जाइत अछि। हमसभ गैर-आर्थिक गतिविधि के महत्व के बारे मे सेहो सीखलहुं। एहि गतिविधिसभकेँ नीक जकाँ बुझबाक लेल हम सीखब जे आर्थिक गतिविधिकेँ कोना वर्गीकृत कयल जाइत अछि आ एहि अध्यायमे ओकरा की भिन्न करैत अछि।

मौद्रिक मूल्य: कोनो एहन वस्तुक मूल्य जकरा पाइक दृष्टिसँ नापल जा सकैत अछि।

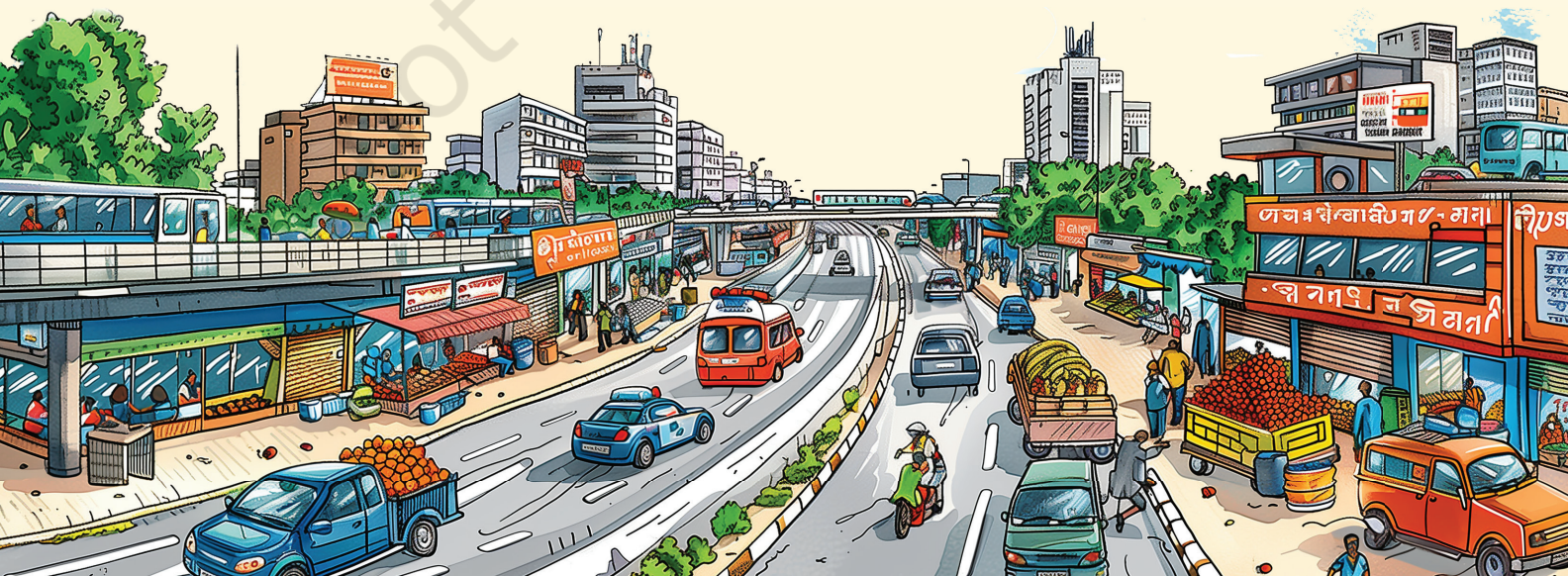

© NCERT not to be republished

विगत दशकमे आर्थिक गतिविधिक संख्यामे तीव्र गतिसँ वृद्धि भेल अछि। उदाहरणक लेल, पहिनेक समयमे लोक खेती, पशुपालन, औजार निर्माण, मिट्टी के बर्तन निर्माण, आ कपड़ा बुनाई सन गतिविधिमे लागल छलाह। जेना-जेना समय बढ़ि रहल छल, लोकसभ आर्थिक गतिविधिक माध्यमसँ अपन जीविकोपार्जन कऽ रहल छलाह।

आइ कंप्यूटर, मोबाइल फोन आ ड्रोनक निर्माण; बैंक, स्कूल आ होटलमे काज केनाय परिवहनक लेल विभिन्न प्रकारक वाहन चलेनाय; फर्नीचर बनेनाय; मशीनक उपयोगसँ कपड़ा सिलाई केनाय; सॉफ्टवेयर बनेनाय; रेफ्रिजरेटर आ वाशिंग मशीनक मरम्मत करब आदि विविध आर्थिक गतिविधिसभ अछि। एहि सभ गतिविधिक वर्गीकरणसँ हमरा सभकेँ ई बुझबामे सहायता भेटैत अछि जे ई सभ कोना काज करैत अछि आ एकर एक दोसरासँ की सम्बन्ध छैक।

आर्थिक गतिविधिकेँ आर्थिक क्षेत्रमे वर्गीकरण।

आर्थिक क्षेत्र: व्यापक समूह जाहिमे विभिन्न गतिविधि शामिल अछि जे आर्थिक समृद्धिमे सहायता करैत अछि एकटा राष्ट्र के।

किछु आर्थिक गतिविधिक समान विशेषता होइत छैक आ एकर आधार पर ओकरा एक सङ्ग समूहीकृत कैल जा सकैत छैक अथवा व्यापक समूहमे वर्गीकृत कैल जा सकैत छैक जकरा आर्थिक क्षेत्र कहल जाइत छैक। तीन मुख्य प्रकारक आर्थिक क्षेत्र प्राथमिक, माध्यमिक आ तृतीयक आर्थिक क्षेत्र अछि। मुख पृष्ठ पर चित्रण एहि श्रेणीसभक अन्तर्गत व्यापक गतिविधिक मानचित्र तैयार करैत अछि।

अ. प्राथमिक गतिविधि

ओ आर्थिक गतिविधिसभ जाहिमे लोक वस्तुक उत्पादन लेल प्रत्यक्ष रूपसँ प्रकृति पर निर्भर रहैत छथि, प्राथमिक गतिविधि वा प्राथमिक क्षेत्रक आर्थिक गतिविधिक रूपमे जानल जाइत अछि।

प्राथमिक क्षेत्रक: गतिविधिसभक समूह जाहिमे प्रकृतिसँ सोझे कच्चा माल निकालनाइ शामिल छैक जेना खेती, माछ पालन, वानिकी आदि।

© NCERT not to be republished

आर्थिक गतिविधिमे आर्थिक क्षेत्रक वर्गीकरण

प्राथमिक क्षेत्रक

कृषि

खनन

मछली पकड़नाइ

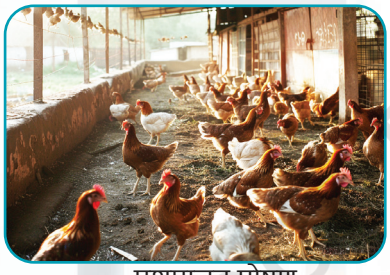

पशुपालन पोषण

वानिकी

द्वितीयक क्षेत्रक

निर्माण

विनिर्माण

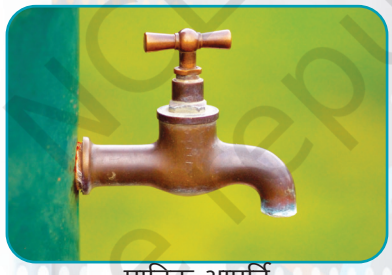

पानिक आपूर्ति

सौर ऊर्जा

बिजली उत्पादन

तृतीयक क्षेत्र

स्वास्थ्य सेवा

व्यापार आओर उपयोगी सामग्री

संचार

बैंकिंग

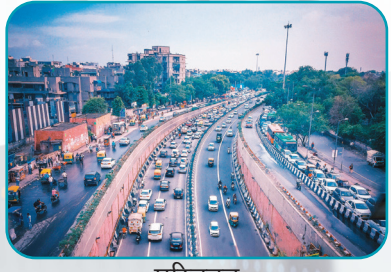

परिवहन

© NCERT not to be republished

उदाहरणक लेल, कृषि खेतसँ अनाज आ तरकारीक खेती, जंगलसँ लकड़ी जमा केनाय, खदानसँ कोयला निकालनाय, मत्स्य पालनसँ माछ, मुर्गीपालन फार्मसँ अण्डा आदि सब प्राथमिक क्षेत्रक आर्थिक गतिविधि अछि।

सबसँ सामान्य प्राथमिक गतिविधि कृषि, खनन, माछ मारब, पशुधन उपालय, वानिकी आदि अछि। प्राथमिक क्षेत्रक भीतर गतिविधिक किछु प्रकार नीचा देल गेल अछि।

ग्रीनहाउस खेती

खनन

माछ पालन (मत्स्य पालन)

वानिकी

पशुपालन पोषण

© NCERT not to be republished

आबू विचार करू

की अहाँ कोनो प्राथमिक गतिविधिक बारे मे सोचि सकैत छी जे अहाँ अतीत मे देखलहुं? एहि गतिविधिसभमे कोन प्राकृतिक संसाधनक उपयोग होइत अछि? ओहिमेसँ दूटा नाम लिअ आ अपन सहपाठीक सङ्ग अपन अनुभवक चर्चा करू।

1.

2.

ख. द्वितीयक गतिविधि

द्वितीयक क्षेत्र: गतिविधिसभक समूह जाहिमे प्राथमिक क्षेत्रसँ प्राप्त कच्चा मालकेँ बिक्री या उपभोगक लेल उत्पादमे प्रसंस्करण शामिल छैक।

आर्थिक गतिविधि जाहिमे लोक प्राथमिक क्षेत्रक आउटपुट पर निर्भर रहैत छथि आ ओकरा वस्तुक उत्पादनक लेल बदलैत छथि, ओकरा एहि द्वितीयक गतिविधि अथवा द्वितीयक क्षेत्रक आर्थिक गतिविधिक रूपमे जानल जाइत अछि। द्वितीयक क्षेत्रमे भवन, सड़क आदिक निर्माण, आ पानि, बिजली, गैस आ एहन अन्य आवश्यक वस्तु जेहन उपयोगिता प्रदान करब सम्मिलित अछि। एहिमे कारखाना आ उत्पादन इकाइसभमे उत्पादक निर्माण सेहो शामिल छैक जाहिसँ प्राथमिक क्षेत्रसँ कच्चा मालकेँ कोनो आन रूपमे संसाधित कयल जा सकय जकरा आगू बेचल वा उपभोग कयल जा सकैत छैक। माध्यमिक क्षेत्रक गतिविधिक किछु उदाहरणमे मिलमे आटा बनयबाक लेल कृषि क्षेत्रसँ प्राप्त अनाजक प्रसंस्करण, मूँगफलीसँ तेल निकालबनाय आ चाह प्राप्त करबाक लेल चाहक पातक प्रसंस्करण सम्मिलित अछि। तहिना जंगलक लकड़ीकेँ फर्नीचर आ कागजमे परिवर्तित कयल जाइत अछि, कपड़ा बनयबाक लेल रुइयाक उपयोग कयल जाइत अछि, आ लौह अयस्कसँ स्टीलक उपयोग कार, ट्रक आदि वाहन बनेबाक लेल कयल जाइत अछि।

ऑटोमोबाइल फैक्ट्री

कपड़ा कारखाना

© NCERT not to be republished

फार्मास्युटिकल फैक्ट्री

फर्नीचर उत्पादन इकाई

ध्यान राखू

मोटर वाहनक प्रकार	भारत मे 2022 मे उत्पादित इकाईक संख्या
यात्री वाहन जेना कार	45 लाख
वाणिज्यिक वाहन जेना ट्रक	10.3 लाख
तीन पहिया वाहन	8.6 लाख
दुपहिया वाहन	2 करोड़

(स्रोत: सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स,
https://www.siam.in/statistics.aspx?mpgid=8&pgidtrail=13)

आउ अन्वषण करू

ओ जे हम माध्यमिक क्षेत्रक गतिविधिक किछु उदाहरण देखलहुँ अछि, की अहाँ द्वितीयक क्षेत्रमे दूटा आओर आर्थिक गतिविधिक नाम दऽ सकैत छी?

1.

2.

© NCERT not to be republished

ग. तृतीयक गतिविधि

ओ सभ आर्थिक गतिविधि जे प्राथमिक आ माध्यमिक गतिविधिमे शामिल लोकसभकेँ सहायता प्रदान करैत अछि, ओकरा कहल जाइत अछि तृतीयक गतिविधि या तृतीयक क्षेत्रक आर्थिक गतिविधि। एहिमे एहन सेवा सम्मिलित अछि जे हम नहि देखि सकैत छी मुदा जे एखनो बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाबैत अछि। जेना, ट्रकक चालक खेतसँ अनाज आ तरकारी कारखाना वा बजारमे लऽ जाइत अछि।

तृतीयक क्षेत्रक: गतिविधिसभक समूह जाहिमे सेवाक प्रावधान शामिल छैक जे प्राथमिक आ माध्यमिक दुनू क्षेत्रक पूरक छैक, जेना परिवहन, बैंकिंग, आ व्यवसायक प्रबंधन।

फल वा तरकारी विक्रेता खेतक उपज घरक उपभोक्ताकेँ बेचैत छथि। तहिना डॉक्टर, नर्स, शिक्षक, वकील आ पायलट ओहि लोककेँ अपन सेवा प्रदान करैत छथि जिनका एकर आवश्यकता छनि। एहन तकनीशियन छथि जे मोबाइल फोन आ टेलीविजन सहित इलेक्ट्रॉनिक वस्तुक मरम्मत आ सेवा करैत छथि, कार आ ट्रैक्टर सन वाहनक मरम्मत करयवला यांत्रिकी, आ बिजलीक नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करयवला इलेक्ट्रीशियन छथि। हुनकर सेवा हमर जीवन के आसान बना दैत अछि। तहिना मोबाइल आ इंटरनेटक माध्यमसँ संचार सेवा, सॉफ्टवेयर विकास, आ होटल, रेस्तराँ, बैंक, स्कूल, अस्पताल, हवाई अड्डा, दोकान, गोदाम, आदि सब तृतीयक क्षेत्रक आर्थिक गतिविधिक उदाहरण अछि। एहि क्षेत्रकेँ सेहो कहल जाइत अछि सेवा क्षेत्र।

गोदाम: पैघ भवन जकर उपयोग उत्पादकेँ बेचबासँ पहिने, उपयोग करबासँ पहिने वा दोकानमे किरायापर देबासँ पहिने भंडारित करबाक लेल कयल जाइत अछि।

© NCERT not to be republished

सॉफ्टवेयर विकास

रेस्तराँ मे सेवा

हवाई अड्डा पर सेवा

खुदरा दोकान

क्षेत्रक बीच परस्पर निर्भरता

तीन प्रकारक आर्थिक गतिविधि वा आर्थिक क्षेत्र प्राकृतिक कच्चा मालकेँ अंतिम उपभोगक लेल तैयार उत्पादमे बदलबाक प्रक्रियामे महत्वपूर्ण भूमिका निभाबैत अछि। एकटा रोचक उदाहरणक अध्ययन करबाक लेल गुजरातक आनन्द जिलाक एकटा गाममे काल्पनिक भ्रमण पर जाउ जतय हम बुझब जे कोना तीनू क्षेत्र आपस मे जुड़ल अछि आ एक दोसरकेँ सहयोग करैत अछि।

डेयरी सहकारिता : खेत सं थाली धरि

आइ-काल्हि गुजरातक किसान दूधक बाल्टी टकराबैत आ अपन सबसँ नीक दोस्त, गाय वा महींसक खुशी मे रँभानक आवाज सुनैत छथि! किसान आ हुनक परिवारक जीवनमे गायक विशेष स्थान अछि। किसान गाय के दूध दुहैत छथि आ अपन लगपासक डेयरी मे दूध बेचैत छथि। मासक अन्तमे हुनका दूधक मात्रा आ गुणवत्ताक आधार पर भुगतान भेटैत अछि। मुदा, लगभग 50 साल पहिने एहन स्थिति नहि छल।

डेयरी: एकटा जगह जतय दूध एकत्र कए जमा कएल जाइत अछि।

ई आनंद मिल्क यूनियन लिमिटेड (अमूल) नामक एकटा दुग्ध सहकारी संस्थाक अद्‌भुत कहानी अछि। 1940 क दशकक प्रारम्भमे, आनन्द जिलाक किसान पड़ोसी गामसभकेँ दूध बेचैत छलाह। भीषण गरमीमे दूध बेचबाक लेल हुनका साइकिल चलाबय पड़त वा लगपासक गाममे चलय पड़तनि। जेना कि अहां

© NCERT not to be republished

जनैत छी, गर्म मौसममे दूध बहुत तेजी सँ खराब या दही करैत अछि। किसानसभकेँ दूध खराब होयबासँ पहिने जल्दी बेचय पड़ैत छल। ई बहुत प्रयास छल जे ओ सभ कतेक पाइ कमाबैत छलाह। तेँ ओ बिचौलिया नामक लोकसभ पर निर्भर छलाह, जे किसानसभसँ अल्प दामपर थोकमे दूध कीनि बजारमे बेचैत छलाह। कतेको बेर किसान लोकनि बिचौलिया द्वारा ठगाएल आ प्रताड़ित महसूस कयलनि।

एक दिन किसान सब सामूहिक रूपसँ अपन समस्या लऽ कऽ एकटा प्रमुख राष्ट्रीय नेता सरदार वल्लभ भाई पटेलसँ सम्पर्क कयलनि। ओ हुनका एकटा सहकारी संगठन बनाबए के सलाह देलखिन आ बिचौलिया पर भरोसा केनाई बंद केनाई पर जोर देलखिन। एकटा सहकारिताक रूपमे किसान एकटा समूहक रूपमे दूध किनबा आ बेचबामे सक्षम होयत, दूध सङ्ग्रहण, प्रसंस्करण आ वितरणक सम्पूर्ण संचालनक ध्यान स्वयं सम्हारत। किसान सभ सरदार पटेलक सलाह लेलक।

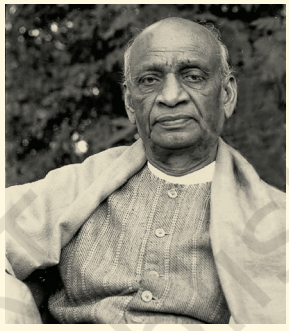

अमूलक स्थापना 1946 मे त्रिभुवनदास पटेल (वकील आ स्वतंत्रता सेनानी) आ डॉ. वर्गीज कुरियन (एकटा इंजीनियर जे मुम्बईक एकटा डेयरी कारखानामे काज करैत छलाह)क नेतृत्वमे कयल गेल छल।

ई पहल महिला सहित किसानसभकेँ एक सङ्ग अनलक आ दूधक उत्पादन आ बिक्री पर नियंत्रण देलक। दूध उत्पादक सब मामला जेना उत्पादन,

वर्गीज कुरियन (बायाँ) आ त्रिभुवनदास पटेल (दहिन्ना)

सहकारिता: लोकक एकटा समूह जे स्वेच्छासँ अपन आर्थिक आ सामाजिक आवश्यकताकेँ औपचारिक तरीकासँ पूरा करबाक लेल एक सङ्ग अबैत अछि। ओ सभ सहकारिताक मालिक छथि आ निर्णय सदस्य द्वारा सामूहिक रूपसँ लेल जाइत अछि।

बिचौलिया: ओ व्यक्ति जे उत्पादकसँ सामान खरीदैत छथि आ उपभोक्ताकेँ बेचैत छथि। बिचौलिया एहि सेवाक लेल शुल्क लैत छथि।

© NCERT not to be republished

पाश्चराइजेशन: एकटा एहन प्रक्रिया जकरा द्वारा हानिकारक बैक्टीरियाकेँ मारबाक लेल एकटा विशिष्ट तापमानमे गर्म करबाक माध्यमसँ दूधकेँ संरक्षित कयल जाइत अछि।

पाश्चराइजेशन आ दूध के बिक्री पर सामूहिक रूप सँ अपन निर्णय लैत छलाह, दूध के बिक्री। ई काज सभ गोटे साझा कयलनि, जाहिसँ हुनक आमदनी धीरे-धीरे बढ़यबामे सहायता भेटल। हुनका सभकेँ आब बिचौलियाक जरूरत नहि छल आ ओ एकटा पैघ परिवार जकाँ भऽ गेलाह!

जेना-जेना बेसी सँ बेसी किसान सहकारिताक लाभ देखय लागल, ई बढ़ैत रहल। दूधक मात्रा जे एकत्रित कएल जाए रहल छल ओ एतेक छल जे किसान सभ एकरा सँ आन उत्पाद बनेबाक निर्णय लेलनि। ओ एकटा कारखाना स्थापित कएलक, आ मक्खन आ दूधक चूर्ण उत्पन्न करए लागल।

फैक्ट्री: भवन वा भवनक समूह जतय वस्तुक निर्माण कयल जाइत अछि, अथवा विभिन्न घटककेँ एक सङ्ग राखल जाइत अछि, अन्तिम उत्पाद बनेबाक लेल।

आइ सहकारी संस्थामे उत्पादक विस्तृत श्रृंखला अछि पूरा भारतमे बहुत रास दूध प्रसंस्करण संयंत्र आ कारखानामे बनल। तखन उत्पादकेँ पूरा देश मे परिवहन आ बेचल जाइत अछि आ छोट आ पैघ दुनू खुदरा दोकान मे एकर बिक्री होयत अछि। वास्तव मे, इ विश्वक कतेको देश मे उत्पादक निर्यात सेहो करैत अछि। ई अद्भुत नहि अछि? की अहां किछु के नाम दए सकैत छी?

खुदरा विक्रेता: पुनर्विक्रयक बदला अंतिम उपभोक्ता द्वारा उपयोगक लेल कम मात्रामे वस्तुक बिक्री।

एहि आकर्षक कथामे एहि सहकारी संस्थाक किसान अपन गायकेँ दूध दऽ कऽ बाद मे दूध बेचैत छथि। एहि तरहक आर्थिक गतिविधिकेँ प्राथमिक क्षेत्रक आर्थिक गतिविधि कहल जाइत अछि किएकि उत्पाद (दूध) सीधा प्राकृतिक स्रोत (गाय/पशुधन) सँ प्राप्त होइत अछि।

निर्यात: वस्तु आ सेवा जे एक देशमे उत्पादित होइत अछि आ दोसर देशमे खरीदार वा उपभोक्ताकेँ बेचल जाइत अछि।

तखन दूधकेँ संसाधित कयल जाइत अछि आ एकटा रूप (तरल) सँ दोसर रूपमे परिवर्तित कयल जाइत अछि - कारखानामे दूध पाउडर, घी, पनीर, मक्खन आ कतेको आन। ई आर्थिक गतिविधि सभकेँ द्वितीयक क्षेत्रक आर्थिक

© NCERT not to be republished

गतिविधि कहल जाइत अछि।

अमूल अपन द्वारा बनाओल गेल सभटा उत्पादक संग की करैत अछि? ई ओकरा विभिन्न जगह पर बेचैत अछि। अमूल अपन उत्पादक परिवहनक लेल

लॉरी आ ट्रकक सङ्ग-सङ्ग रेलवे, हवाई आ जहाजरानी सेवाक उपयोग करैत अछि। ई खुदरा दोकान स्थापित कयलक अछि आ पूरा गुजरातक कस्बा, शहर आ गामक सङ्ग-सङ्ग भारतक विभिन्न राज्यमे अन्य दोकानसभमे दूध आ दुग्ध उत्पादक आपूर्ति करैत अछि। एतय परिवहन, व्यापार आ खुदरा विक्रेता तृतीयक गतिविधि मे सम्मिलित अछि।

ध्यान राखू

अमूल जकाँ कर्नाटकक नन्दिनी, दिल्ली-एनसीआरसँ मदर डेयरी, तमिलनाडुसँ आविन, आन्ध्र प्रदेशसँ विजया, नागालैंडसँ केवी, बिहारसँ सुधा, पंजाबसँ वेरका आदि ब्राण्डक अन्तर्गत कतेको अन्य दुग्ध सहकारी समिति अछि। की अहाँ अपन आसपासक कोनो सहकारी संस्थाक नाम दऽ सकैत छी जे किसान, विकलांग व्यक्ति, आ महिला सन समूहकेँ एक सङ्ग अयबामे सहायता कयलक आ हुनक जीवनमे समृद्धि अनलक?

© NCERT not to be republished

नीच्चाँ देल गेल चित्रक सहायतासँ देखू जे अहाँ जे किताबक अध्ययन करैत छी ओ कोना बनैत अछि। ई चित्र लुगदी (गाछक लकड़ीक रेशा) कैँ कागजमे आ छपाइक बाद पाठ्यपुस्तकमे परिवर्तित देखबैत अछि।

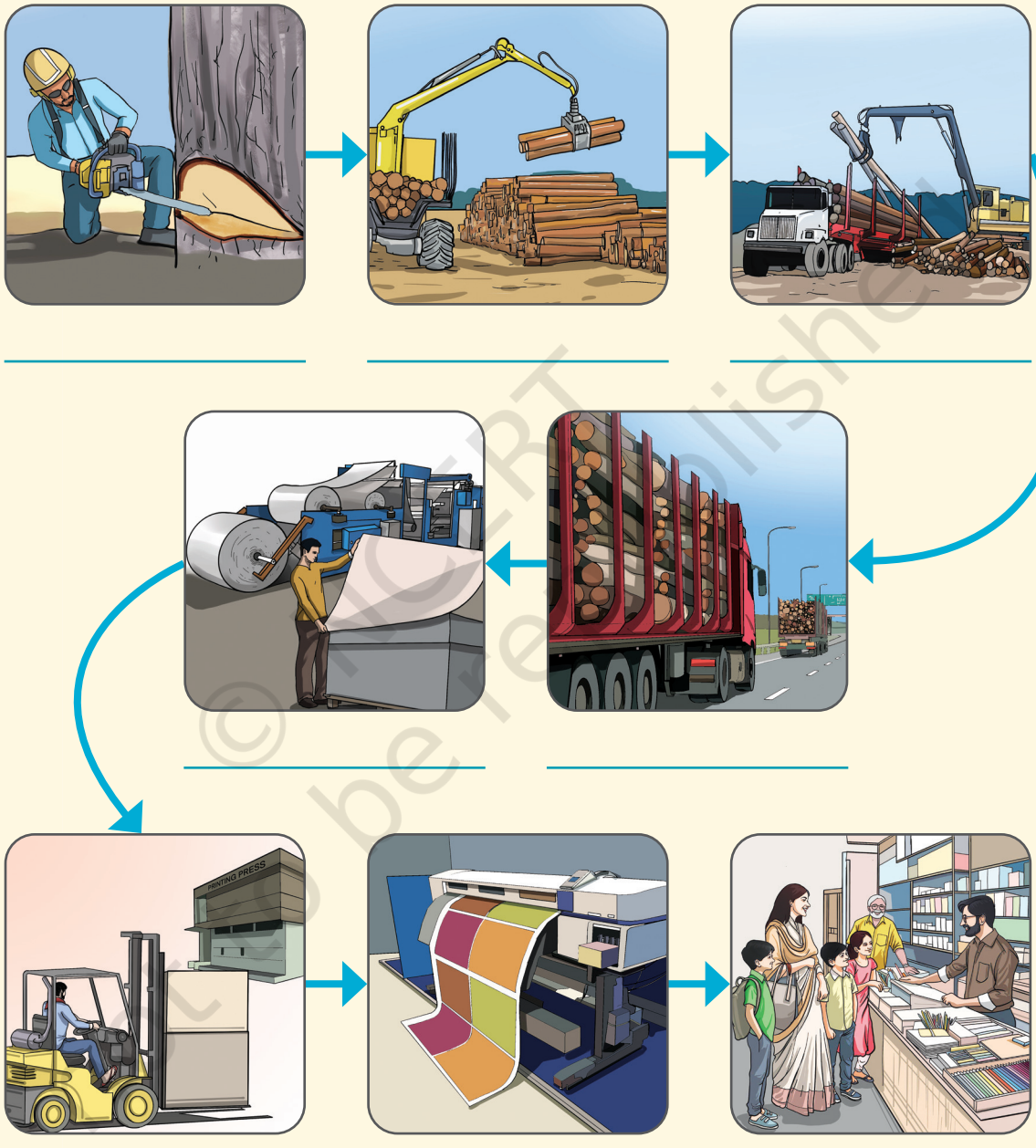

चित्र 14.1

© NCERT not to be republished

एहि प्रक्रियाक हिस्सा बनल कोनो गतिविधि – गाछसँ लुगदी निकालय सँ लऽ कऽ कागज बनयबा आ अंततः किताबक उत्पादन धरि संभव नहि होइत यदि तीनू क्षेत्रक एक सङ्ग काज नहि करैत ।

आबू विचार करू

पृष्ठ 205 पर चित्र 14.1 मे देखाओल गेल प्रक्रियाक विभिन्न चरणक अवलोकन करू आ अपन सहपाठीक सङ्ग चर्चा करू।

आउ अन्वषण करू

पृष्ठ 205 पर देल गेल चित्र 14.1 चित्रणमे देखाओल गेल कार्यके क्षेत्रकमें वर्गीकृत करू-

1. प्राथमिक क्षेत्रक
2. माध्यमिक क्षेत्रक
3. तृतीयक क्षेत्रक

ध्यान राखू

आइ-काल्हि नव कागज बनेबाक लेल प्रयुक्त कागजक पुनर्नवीनीकरण कयल जाइत अछि। मात्र एक टन कागजक पुनर्चक्रणसँ 17 गाछक सङ्ग-सङ्ग 2.5 घन मीटर लैंडफिल स्थानक बचत होइत छैक, जतय कचरा फेंकल जाइत छैक। लकड़ीक लुगदीसँ नव कागज बनयबाक तुलनामे कागजक पुनर्चक्रणमे 70 प्रतिशत कम ऊर्जा आ पानि सेहो लगैत अछि।

आउ अन्वेषण करू

कोन अलग-अलग तरीका अछि जकर माध्यमसँ अपनासभ अहाँक विद्यालयक कक्षा आ कार्यालयमे विवेकपूर्वक कागजक उपयोग कऽ सकैत छी?

© NCERT not to be republished

अपन पड़ोसक आर्थिक गतिविधिकेँ सूचीबद्ध करू आ ओकरा प्राथमिक, माध्यमिक वा तृतीयक रूपमे उचित रूपसँ लेबल करू। तीर बनाबू जे ई देखाबै लेल जे ओ एक दोसरसँ कोना जुड़ल अछि. कोन तरहें ओ सभ एक दोसरा पर निर्भर छथि? जँ कोनो गतिविधिक अस्तित्व समाप्त भऽ जायत तखन की होयत?

एहि सं पहिले जे हम आगू बढ़ू...

- एहि अध्यायमे हम आर्थिक गतिविधिक तीन क्षेत्रक विषयमे जानलहुँ।
- विभिन्न उदाहरण आ चित्रण तीन प्रकारक आर्थिक गतिविधि या क्षेत्रक बीच अन्तरक सङ्ग-सङ्ग परस्पर निर्भरताकेँ बुझबामे सहायता कयलक - प्राथमिक, माध्यमिक आ तृतीयक।

प्रश्न, गतिविधि आओर परियोजना

1. प्राथमिक क्षेत्र की अछि? ई एकरासँ कोना भिन्न अछि द्वितीयक क्षेत्र? दूटा उदाहरण दिअ।
2. द्वितीयक क्षेत्र तृतीयक क्षेत्र पर कोना निर्भर करैत अछि? किछु उदाहरणक संग स्पष्ट करू।
3. एकरामे परस्पर निर्भरताक एकटा उदाहरण दिअ' प्राथमिक, माध्यमिक आ तृतीयक क्षेत्र। प्रवाह आरेख केर प्रयोग सँ एकरा देखाबू.

© NCERT not to be republished